AWOKE India Times
एवोक इण्डिया टाइम्स

Year 12 | Issue 29 | Jan- Mar 2025







Empowering Financial Futures:
A QUARTERLY CHRONICLE OF IMPACT & INSIGHTS









Nivesh, Nari, Naya Bharat:
CELEBRATING FINANCIAL LITERACY & INCLUSION

2025 Finance Update:
GOLD, BUDGET HIGHLIGHTS & YOUR INVESTMENT

Index

1 **Editor Note** 01

2 **Advisory Board** 02

3 **Executive Committee** 03

4 **About CFL** 04-09

- AWOKE India द्वारा अब तक की गई प्रमुख गतिविधियाँ उत्तर प्रदेश Phase II, Phase III एवं बिहार राज्य में
- वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2025 "वित्तीय समझदारी: समृद्ध नारी"
- सफलता की कहानियां : हरदोई जिले से
- वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन [बिहार में]

5 **Meeting & Interactions** 10

6 **Team One Activities** 11-12

7 **Important Article** 13-14

- Gold as an Investment in India
- हमारी ज़िंदगी में वित्तीय प्रबंधन का महत्व

8 **Highlights of Investor Awareness Programs [IAPs]** 15-16

9 **जनवरी–मार्च 2025: आर्थिक अपडेट्स** 17

10 **तथ्य और अपडेट** 18-21

- DEA फंड क्या है और क्यों है यह आपकी वित्तीय सुरक्षा के लिए ज़रूरी?
- केन्द्रीय बजट 2025-26 की मुख्य बातें

11 **ALAKH Highlights** 22-23

12 **Media Coverage** 24

Editor's Note

प्रिय सम्मानित पाठकों!



वित्तीय वर्ष **2024-25** के सफल समापन पर हम आप सभी के सहयोग, विश्वास और सहभागिता के लिए हृदयपूर्वक आभार व्यक्त करते हैं। यह वर्ष हमारे लिए वित्तीय शिक्षा और निवेशक जागरूकता के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियों और नवाचारों से भरा रहा।

इस विशेष अंक में हम वित्तीय साक्षरता सप्ताह 2025 की थीम **"वित्तीय समझदारी: समृद्ध नारी"** के तहत, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में किए गए सार्थक प्रयासों को साझा कर रहे हैं।

सीएफ़एल परियोजना के अंतर्गत आयोजित सत्रों ने जमीनी स्तर पर वित्तीय ज्ञान का प्रसार किया और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज की। उत्तर प्रदेश के Phase II में 11 जिलों में 27 वित्तीय साक्षरता केंद्रों के माध्यम से लाखों लाभार्थियों तक पहुँच बनाई गई। Phase III में यह प्रयास और विस्तृत हुआ, जिसमें 21 जिलों के 49 केंद्रों के जरिए अधिक ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता से जोड़ा गया। वहीं, बिहार के 12 जिलों में 34 केंद्रों ने एक लाख से अधिक ग्रामीणों को वित्तीय जागरूकता प्रदान की।

इस तिमाही में आयोजित निवेशक जागरूकता कार्यक्रम (IAPs) ने वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय बजट 2025-26 की मुख्य बातें, वित्तीय एवं आर्थिक अपडेट, और "सोना: एक निवेश विकल्प" जैसे महत्वपूर्ण लेख पाठकों को सम-सामयिक आर्थिक परिदृश्य से जोड़े रखते हैं।

अलख पहल में बच्चों ने शिक्षा के साथ- साथ 76वां स्वतंत्रता दिवस, बसंत पंचमी, महिला दिवस और होली जैसे पर्वों को उत्साहपूर्वक मनाया। साथ ही, "स्टूडेंट ऑफ द वीक" श्रृंखला की शुरुआत हुई, जिसमें बच्चों को उनकी मेहनत और उपलब्धियों के लिए सराहना और उपहार दिए गए।

यह अंक हमारी एडवाइजरी बोर्ड और कार्यकारी समिति के मार्गदर्शन, साथ ही सभी टीम सदस्यों के अथक प्रयासों का परिणाम है।

हमें विश्वास है कि यह संस्करण न केवल ज्ञानवर्धक होगा बल्कि प्रेरणादायक भी होगा। हम आपके मूल्यवान मार्गदर्शन, सुझाव और प्रतिक्रिया का स्वागत करते हैं, जो हमें अपनी पहल को और भी बेहतर बनाने में मदद करेगा।

सादर,
प्रवीण कुमार द्विवेदी
संस्थापक और अध्यक्ष- एवोक इंडिया ग्रुप

Advisory Board

We are delighted and honored to welcome **Dr. Anup Chandra Pandey, IAS (Retd)** and **Justice Sudhir Kumar Saxena, (Retd)** as esteemed members of our Advisory Board. Their presence brings immense value, wisdom, and inspiration to our journey ahead.



DR ANUP CHANDRA PANDEY, IAS (Retd)
Former Election Commissioner of India &
Former Chief Secretary, Government of Uttar Pradesh



JUSTICE SUDHIR KUMAR SAXENA (Retd)
Former Judge, Allahabad High Court &
Former Member Secretary, U.P. State Legal Services Authority (UPSLSA)



PROF SUBRATA CHAKRABORTY
Hon. Chairman- Advisory Board
Former Dean & Director In Charge, IIM, Lko



MR G B PATTANAIK
Former Principal Secretary,
Governor of UP and
Former Vice-Chancellor, Lucknow University



MR A K SINGH
Former CGM, NABARD, Lucknow



MR DEVESH MATHUR
COO- HSBC Bangladesh and
Former Head, GBS- Bank of America



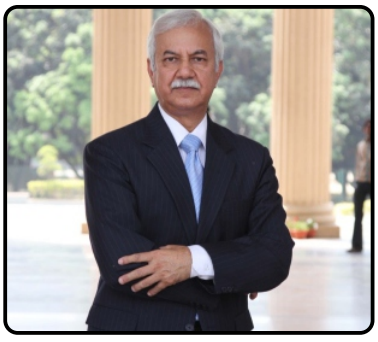
MR CHINTAN KHANNA
Corporate Trainer
Former- SCB (Global Trainer), ANZ Grindlays



MRS APARNA AWASTHI
Former DGM- Outreach,
SBI, LHO, Lucknow



PROF VIPUL
Former Dean and Professor IIM, Lucknow



MR VIJAY SAHI
Former GM- Times of India



DR DEEPTI DWIVEDI
Managing Director
Arth Vipra Finvest Pvt Ltd

Executive Committee



MR B L GUPTA
Former GM,
Punjab National Bank



MR PRAMIL DWIVEDI
Founder- Pragya International Trust



MR G P TRIPATHI
Ex Chief Manager
Bank of India



DR KIRTI NARAYAN
Retd Principal
Jai Hind College, Mumbai



DR ASHU SHUKLA
Former- IG Police
CRPF



CA RAJEEV SHARMA
FCA ICAI



MR RAJIVE KUMAR
I.F.S. (Retd), Professor & Vice President- Amity Foundation or Environment, Forest and Climate Change



MR TILAK MANOCHA
Ex Joint Director Dept. of Vocational Education & Skill Development



MR PRAVEEN KUMAR
Chairman Banking & Financial Institution Committee, ASSOCHAM UP



MRS PRATIMA TIWARI
Chief Manager
Union Bank of India



MR NIHAL CHANDRA SHIVHARE
Director- Financial Literacy Centre, Jhansi



MR RAS KHANGAR
Ex AGM, NABARD



MR S K MISHRA
Former Chief Manager
Punjab National Bank



MR RAJESHWARA RAO PERI
Retd as Chief Manager,
Oriental Bank of Commerce



MR S K SRIVASTAVA
Professor, Amity University



Col (DR) SAMEER MISRA
Vice President- S. M. Securities Pvt Ltd



MR NARENDRA DHAWAN
Retied AGM– Oriental Bank of Commerce



MR RAJIV PRADHAN
Former Chief Manager
Bank of Baroda



MR ASHUTOSH NIGAM
Ex AGM NABARD

AWOKE India द्वारा अब तक की गई प्रमुख गतिविधियाँ उत्तर प्रदेश Phase II, Phase III एवं बिहार राज्य में

Phase II [उत्तर प्रदेश] की उपलब्धियाँ [पिछले दो वर्षों में]

कार्यान्वयन जिले:	11
सीएफएल केंद्र:	27
कवर किए गए गाँव:	2,958
लाभान्वित लाभार्थी:	20,94,448

Phase III [उत्तर प्रदेश] की उपलब्धियाँ [पिछले एक वर्ष में]

कार्यान्वयन जिले:	21
सीएफएल केंद्र:	49
कवर किए गए गाँव:	4,412
लाभान्वित लाभार्थी:	1,37,407

बिहार राज्य की उपलब्धियाँ [पिछले एक वर्ष में]

कार्यान्वयन जिले:	12
सीएफएल केंद्र:	34
कवर किए गए गाँव:	2,845
लाभान्वित लाभार्थी:	1,36,666

जागरूकता सत्रों के मुख्य विषय:

AWOKE India द्वारा CFL परियोजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित जागरूकता सत्रों में निम्नलिखित विषयों पर विशेष रूप से जानकारी दी जाती है:

1. सरकारी योजनाओं की जानकारी:

ग्रामीणों को केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय समावेशन योजनाओं की जानकारी दी जाती है, जिनमें शामिल हैं:

AWOKE India द्वारा अब तक की गई प्रमुख गतिविधियाँ उत्तर प्रदेश Phase II, Phase III एवं बिहार राज्य में

- सुकन्या समृद्धि योजना (SSY)
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJY)
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY)
- प्रधानमंत्री जनधन योजना (PMJDY)
- अटल पेंशन योजना (APY)
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY)
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना (KCC)
- आधार सीडिंग की प्रक्रिया



2. साइबर सुरक्षा:

ग्रामीणों को डिजिटल लेन-देन के दौरान होने वाले साइबर धोखाधड़ी से बचाव के तरीके और सतर्कता बरतने की जानकारी प्रदान की जाती है, ताकि वे सुरक्षित रूप से ऑनलाइन बैंकिंग और भुगतान सेवाओं का उपयोग कर सकें।

3. प्रशिक्षकों की भूमिका:

AWOKE India द्वारा प्रशिक्षित फील्ड ट्रेनर्स ग्रामीणों को बैंकिंग गतिविधियों जैसे- नकद जमा, पासबुक अपडेट, निकासी आदि में सहायता करते हैं। साथ ही, वे उन्हें औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जुड़ने और योजनाओं के अंतर्गत उचित ऋण प्राप्त करने में मार्गदर्शन देते हैं, जिससे वे समय पर वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकें।

4. डिजिटल और उन्नत वित्तीय ज्ञान:

ग्रामीणों को ATM, डेबिट/क्रेडिट कार्ड के उपयोग, कार्ड सक्रिय करने की प्रक्रिया, शिकायत निवारण प्रणाली, ऑनलाइन बैंकिंग, मोबाइल वॉलेट एवं डिजिटल भुगतान जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, उन्हें म्यूचुअल फंड सहित अन्य उन्नत वित्तीय उत्पादों की जानकारी देकर बेहतर वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाया जाता है, जिससे वे आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह [चरण- II & III, उत्तर प्रदेश]

"वित्तीय समझदारी: समृद्ध नारी"

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता सप्ताह (Financial Literacy Week- FLW) 2025 का दसवां संस्करण 24 फरवरी से प्रारंभ हुआ। इस वर्ष का विषय "वित्तीय समझदारी: समृद्ध नारी" रखा गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय ज्ञान और जागरूकता प्रदान करना था।



"महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम"

एवोक इंडिया ने अग्रणी बैंकों के सहयोग से 24 से 28 फरवरी 2025 तक विभिन्न जनपदों में मेगा कैंप आयोजित किए। इन शिविरों में महिलाओं को वित्तीय प्रबंधन, बचत, निवेश, बीमा और डिजिटल बैंकिंग जैसी महत्वपूर्ण वित्तीय सेवाओं से जुड़ी जानकारी दी गई।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह [चरण- II & III, उत्तर प्रदेश]

















सफलता की कहानियां : हरदोई जिले से


रजनी

01- रजनी, जो हरदोई जिले के माधोगंज ब्लॉक के रूदामऊ गांव की निवासी हैं, एक समय बहुत ही दयनीय आर्थिक स्थिति से गुजर रही थीं। उनके पास कोई स्थायी रोज़गार नहीं था, जिससे उन्हें अपने और अपने परिवार का भरण-पोषण करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

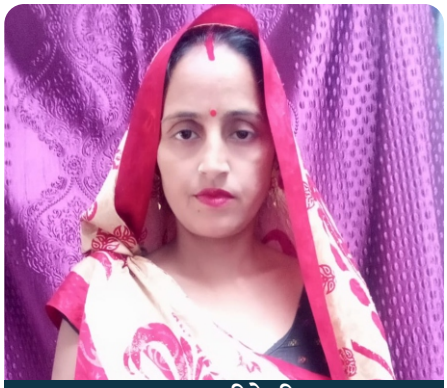
हालांकि, उनकी ज़िंदगी में एक बड़ा बदलाव तब आया जब उन्होंने CFL माधोगंज केंद्र पर आयोजित वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने बैंकिंग सेवाओं, ऋण सुविधाओं और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

CFL के फाइनेंशियल काउंसलर प्रमोद कुमार द्वारा उन्हें बैंक से ₹30,000 का ऋण दिलाने में सहयोग मिला, जिससे उन्होंने अपनी खुद की किराना दुकान शुरू की।

दुकान शुरू होने के बाद रजनी की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। अब उनके पास आय का एक स्थायी स्रोत है जिससे वे न केवल अपने घर की ज़रूरतें पूरी कर रही हैं, बल्कि कुछ धन बचत भी कर पा रही हैं।

बचत की मदद से रजनी ने अपने बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना शुरू किया। आज उनके बच्चे स्कूल जा रहे हैं और बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हैं। यह बदलाव रजनी के जीवन में एक नई रोशनी की तरह आया है।

रजनी आज बेहद खुश हैं और एवोक इंडिया द्वारा चलाए जा रहे वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम के प्रति अपनी आभार भावना व्यक्त करती हैं। उनका कहना है कि इस पहल ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया और जीवन में आगे बढ़ने का नया रास्ता दिखाया।


मुन्नीदेवी

02- मुन्नीदेवी, पत्नी कमलेश कुमार, ग्राम रुइया, पोस्ट माधोगंज, जनपद हरदोई की निवासी हैं। उनके पति कमलेश टी.बी. की बीमारी से ग्रस्त हैं और लंबे समय से बेरोजगार रहने के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो गई थी। घर चलाने की जिम्मेदारी मुन्नीदेवी के कंधों पर आ गई, लेकिन सीमित संसाधनों के चलते वह भी असहाय थीं।

इसी बीच मुन्नीदेवी ने माधोगंज स्थित CFL (सेंटर फॉर फाइनेंशियल लिटरेसी) में प्रमोद जी (फाइनेंशियल कोऑर्डिनेटर) द्वारा आयोजित वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया।

इस कार्यक्रम से उन्हें न सिर्फ वित्तीय जानकारी मिली, बल्कि विभिन्न योजनाओं और ऋण विकल्पों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। इस जागरूकता के चलते मुन्नीदेवी ने बैंक से ₹30,000 का ऋण प्राप्त किया, जिससे उन्होंने एक किराना दुकान की शुरुआत की। यह कदम उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव लेकर आया।

मुन्नीदेवी ने सफलतापूर्वक ₹30,000 का ऋण प्राप्त कर अपनी किराना की दुकान खोली। आज उनकी आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा काफी बेहतर हो गई है और वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर अग्रसर हैं।

यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन और जानकारी मिलने पर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में बदलाव ला सकता है।

वित्तीय साक्षरता सत्र- (बिहार)





















Meetings & Interactions



Meeting with Dr Arun Mohan Sherry- Director IIIT, Lucknow



MOU signing between AWOKE India & Indian Bank



Meeting with Mr Sunil Srivastava- Director, IMRT Business School



Meeting with Mr Onkar Nath Singh- Former Chairman, Allahabad Bank



Meeting with Mr Anoop Kumar Singh- Principal, Pandit Prithvi Nath College, Kanpur



Meeting with Dr Shivi Srivastava- Director, Saroj College of Engineering



Five days training for Virajita Farmer Producer Organization

Team One Meeting

A "Team One Meeting" was held on January 2, 2025, aimed at reinforcing unity, collaboration, and a shared understanding of project objectives among team members. The focus was on fostering cooperation, aligning goals, and working together effectively as a single, cohesive unit.







Team One: United We Grow, Together We Go!

















Gold as an Investment in India



A Complete Guide: Gold has always been a trusted investment in India, symbolizing wealth and financial security. With multiple investment options available, it remains a strong choice for both traditional and modern investors.

Why Invest in Gold? Gold is considered a safe-haven asset due to its ability to hold value even during economic downturns. Here's why investing in gold makes sense:

- **Wealth Preservation–** Gold retains its value over time, making it a long-term asset.
- **Hedge Against Inflation–** When the cost of living rises, gold prices generally increase, protecting your purchasing power.
- **Portfolio Diversification–** Gold performs independently of stock markets, reducing overall investment risk.
- **Liquidity–** Gold can be easily sold or exchanged whenever needed.

Different Ways to Invest in Gold in India

1. **Physical Gold:** The traditional gold investment includes buying jewellery, coins, and bars. While this remains popular, it has drawbacks like storage costs, security risks, and making charges.
2. **Sovereign Gold Bonds (SGBs):** SGBs are government-backed bonds issued by the Reserve Bank of India (RBI). They offer interest (currently 2.5% annually) along with price appreciation of gold. These bonds mature in 8 years, and capital gains are tax-free upon maturity.
3. **Gold Exchange-Traded Funds (ETFs):** Gold ETFs are financial instruments that track gold prices and are traded on stock exchanges. They eliminate storage issues and offer easy buying/selling through a demat account.
4. **Gold Mutual Funds:** Gold mutual funds invest in gold ETFs and provide an indirect way to gain exposure to gold without requiring a demat account.
5. **Digital Gold:** Many fintech platforms offer digital gold, allowing you to buy gold online in small quantities. The purchased gold is backed by physical gold stored in secured vaults. You can later convert it into coins or sell it online.
6. **Gold Monetization Scheme (GMS):** Under this government scheme, you can deposit your unused gold with banks and earn interest while ensuring its safety.

Tax Implications of Gold Investment:

- **Physical Gold** – Selling physical gold incurs capital gains tax short- term if sold within 3 years and long- term (20% with indexation) if held longer.
- **SGBs** – Interest earned is taxable, but capital gains on maturity are tax-free.
- **Gold ETFs & Mutual Funds** – Tax treatment is similar to physical gold, with short-term and long-term capital gains taxes.

Conclusion: Gold is a stable, long-term investment in India. With options like physical gold, digital gold, SGBs, and ETFs, investors can choose based on their goals. Diversifying with gold ensures financial security and protects against inflation and market volatility.

Article by: Mr Pradeep Pandey
Smart Trainer- AWOKE India Foundation

हमारी ज़िंदगी में वित्तीय प्रबंधन का महत्व



लेख: नवल कुमार सक्सेना
वित्त एवं लेखा विभाग प्रमुख- एवोक इंडिया

मनुष्य के जीवन में धन का विशेष महत्व है। जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं – जैसे रोटी, कपड़ा और मकान – से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन और सम्मानित जीवन के लिए धन की आवश्यकता होती है। धन का केवल अर्जन ही पर्याप्त नहीं है; आज के दौर में जब महंगाई लगातार बढ़ रही है और आर्थिक असमानता हर समाज की हकीकत बन चुकी है, तब हर नागरिक के लिए वित्तीय प्रबंधन (Financial Management) को समझना और अपनाना बेहद आवश्यक हो गया है। वित्तीय प्रबंधन एक ऐसी प्रक्रिया है जो हमें अपने आय, व्यय, बचत, निवेश और ऋण पर नियंत्रण करने की योग्यता प्रदान करती है।

यह जीवन के हर चरण में हमारी सहायता करता है- बचपन से लेकर वृद्धावस्था तक।

यह केवल अमीरों के लिए नहीं, बल्कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए भी उतना ही

वित्तीय प्रबंधन क्या है? वित्तीय प्रबंधन का मतलब है – अपनी आय और संसाधनों का समझदारी से उपयोग करना, ताकि वर्तमान ज़रूरतें पूरी हों और भविष्य सुरक्षित रहे।

मुख्य पहलू:आय-व्यय पर नियंत्रण: ज़रूरी और गैर-ज़रूरी खर्च में फर्क समझें।

मासिक बजट: हर महीने का बजट बनाकर फिजूलखर्ची रोकें।

बचत की आदत: पहले बचत करें, फिर खर्च करें – छोटी बचतें बड़ा लाभ देती हैं।

स्मार्ट निवेश: म्यूचुअल फंड, FD, सोना, PPF जैसे साधनों में निवेश करें।

जोखिम सुरक्षा: बीमा लें – जीवन, स्वास्थ्य और संपत्ति के लिए।

लक्ष्य आधारित योजना: घर, शिक्षा, विवाह जैसे लक्ष्यों के लिए पहले से योजना बनाएं।

बुज़ुर्गावस्था की तैयारी: पेंशन, NPS जैसी योजनाओं में समय रहते निवेश करें।

वित्तीय प्रबंधन क्यों ज़रूरी है - वित्तीय प्रबंधन पैसों को इस प्रकार नियोजित करना है कि आप अपनी आवश्यकताओं और इच्छाओं को संतुलित करते हुए भविष्य के लिए भी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

आर्थिक सुरक्षा के लिए: जीवन में अनिश्चितताएँ बनी रहती हैं – जैसे नौकरी जाना, बीमारी, दुर्घटना या प्राकृतिक आपदाएँ। यदि हमारे पास बचत और आपातकालीन कोष नहीं होगा, तो ऐसे समय में हम संकट में आ सकते हैं। एक अच्छा वित्तीय प्रबंधन इन परिस्थितियों से निपटने के लिए हमें तैयार रखता है।

अनावश्यक कर्ज़ से बचाव: बिना योजना के खर्च करने से अक्सर लोग कर्ज़ में डूब जाते हैं। क्रेडिट कार्ड बिल, पर्सनल लोन और महंगे ईएमआई एक दिन बोझ बन जाते हैं। वित्तीय प्रबंधन से हम समझदारी से खर्च करते हैं और केवल ज़रूरत के अनुसार ही ऋण लेते हैं।

आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन: एक सुव्यवस्थित वित्तीय जीवन व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाता है। वह दूसरों पर आर्थिक रूप से निर्भर नहीं होता, चाहे वह युवा हो या वृद्ध। विशेषकर वृद्धावस्था में यह आत्मनिर्भरता बहुत मायने रखती है।

वित्तीय प्रबंधन हर व्यक्ति के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है, चाहे उसकी आमदनी कम हो या ज्यादा। एक साधारण व्यक्ति भी अपने जीवन को आर्थिक रूप से सुरक्षित, सुखमय और सम्मानजनक बना सकता है – यदि वह अपने पैसों का सही उपयोग करना जानता हो। इसलिए कहा जाता है: धन की कमी मनुष्य को नहीं मारती, धन का प्रबंधन न कर पाना उसे तबाह करता है।

वित्तीय प्रबंधन कोई जटिल गणित नहीं है, बल्कि यह एक सरल जीवनशैली है जो हमें बताती है कि थोड़े में भी खुश और सुरक्षित कैसे रहा जाए। हम सभी को चाहिए कि हम वित्तीय प्रबंधन को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं, और एक सुदृढ़, आत्मनिर्भर और संतुलित जीवन की ओर बढ़ें।

जब हर हाथ पैसे को समझेगा, तभी हर घर तरक्की करेगा।

Investor Awareness Programs [IAPs]

In the last financial year, AWOKE India conducted Investor Awareness Programs to enhance financial literacy and investment knowledge across diverse communities.
The programs achieved the following reach:

- *5000+* Participants
- *19* Districts, including Barabanki, Moradabad, Satara, Pune, Amravati, Prayagraj, Dharwad, and others
- *3* States: Uttar Pradesh, Karnataka, and Maharashtra

Target audience

- ✓ General Public
- ✓ Women
- ✓ Students
- ✓ Farmer Producer Organizations (FPOs)
- ✓ Corporates

These sessions promoted inclusive outreach and empowered individuals to make informed financial decisions.









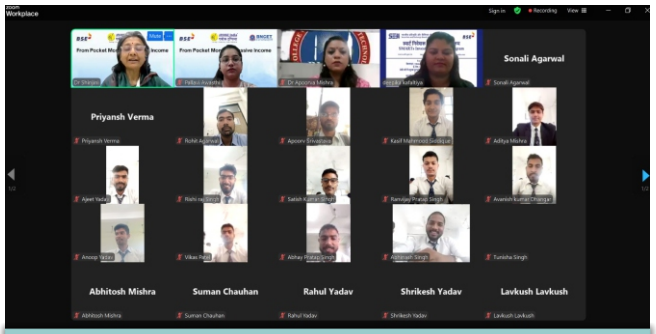
Quarterly Impact Highlights: Investor Awareness Programs



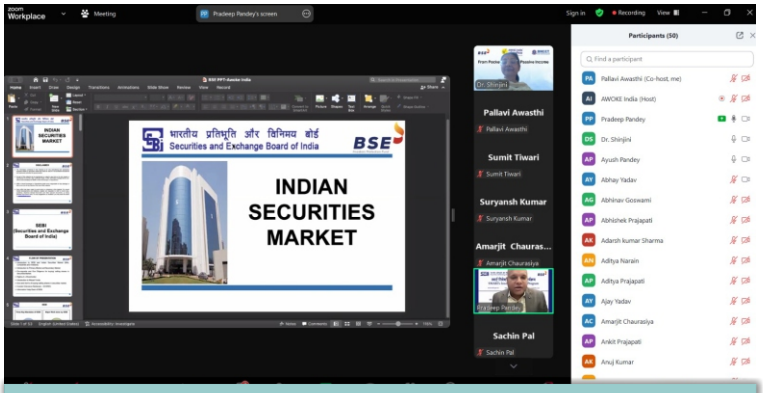
Institute of Company Secretaries of India (ICSI), Lucknow Chapter



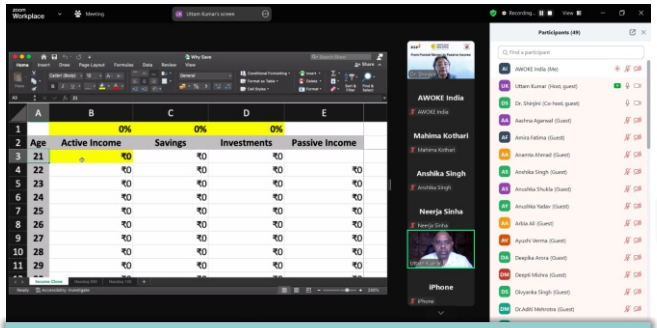
IMRT Business School, Lucknow



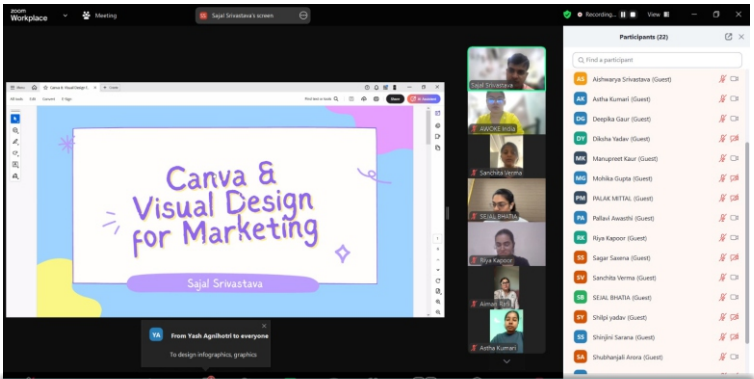
BNCET for MBA and Btech students



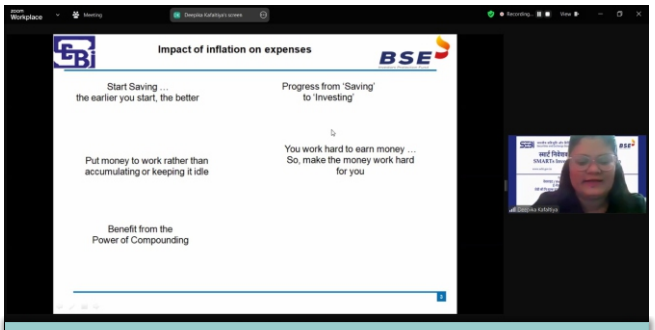
B.N. College Of Engineering And Technology



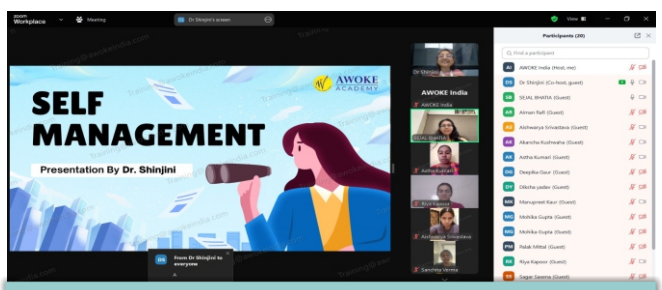
Awadh Girls Degree College



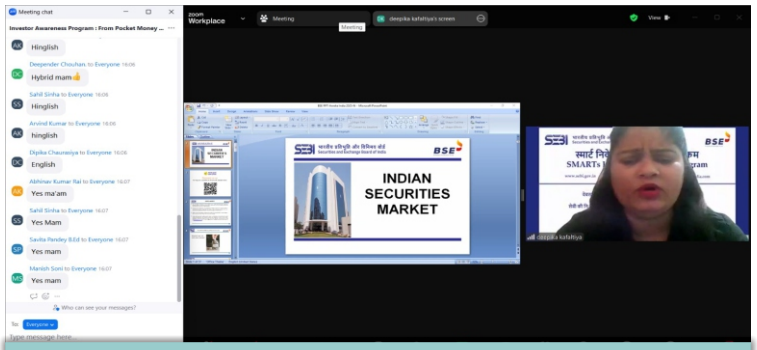
Jagran College of Arts, Science & Commerce, Kanpur



Dr D Y Patil College of Law, Mumbai



Jagran College of Arts, Science & Commerce, Kanpur



Techno College for students

जनवरी–मार्च 2025: आर्थिक अपडेट्स


RBI के 26वें गवर्नर
पदभार ग्रहण:
11 दिसंबर 2024

- श्री संजय मल्होत्रा ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के 26वें गवर्नर के रूप में पदभार ग्रहण किया। वह 1990 बैच के राजस्थान कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी हैं, और इससे पहले वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव के रूप में कार्यरत थे।


SEBI के 11वें अध्यक्ष
पदभार ग्रहण:
1 मार्च 2025

- श्री तुहिन कांता पांडे ने 1 मार्च 2025 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। वह 1987 बैच के ओडिशा कैडर के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) अधिकारी हैं।

- भारतीय रिज़र्व बैंक ने RBIDATA नामक मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया, जो भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित समष्टि- आर्थिक और वित्तीय आंकड़े उपयोगकर्ता-अनुकूल और आकर्षक प्रारूप में उपलब्ध कराता है।

- सेबी ने 'बॉन्ड सेंट्रल' नामक एक केंद्रीकृत डेटाबेस पोर्टल लॉन्च किया है, जो भारत में कॉर्पोरेट बॉन्ड्स से संबंधित जानकारी के लिए है। यह पोर्टल ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रोवाइडर्स (OBPP) एसोसिएशन और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर संस्थानों के सहयोग से विकसित किया गया है।

- SEBI और NISM ने "NISM XXIV- प्रतिभूति बाजार में मनी लॉन्ड्रिंग रोध (Anti-Money Laundering - AML) और आतंकवाद के वित्तपोषण का प्रतिरोध (Combating the Financing of Terrorism - CFT) प्रावधान" नामक प्रमाणन परीक्षा लॉन्च की है।

- भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने निवेशकों के हितों की रक्षा और अप्रमाणित परिसंपत्तियों को कम करने के लिए DigiLocker के साथ साझेदारी की है। यह साझेदारी निवेशकों को DigiLocker के माध्यम से अपने डीमैट खाते और म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स की जानकारी स्टोर और एक्सेस करने में सक्षम बनाएगी।

- SEBI ने डॉक्यूमेंट नंबर वेरीफिकेशन सिस्टम (DNVS) लॉन्च किया है। यह सिस्टम SEBI द्वारा जारी किए गए सभी डॉक्यूमेंट्स की प्रामाणिकता (authenticity) की पुष्टि करने के लिए शुरू किया गया है।

- IRDAI ने वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि पर एक निर्देश जारी किया है। इस निर्देश के अनुसार, बीमाकर्ता बिना पूर्व स्वीकृति के सालाना 10% से अधिक प्रीमियम नहीं बढ़ा सकते हैं. यह निर्देश 30 जनवरी, 2025 को जारी किया गया।

- डिजिटल भारत निधि (डीबीएन) और नाबार्ड ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं और गवर्नेंस को बढ़ावा देने हेतु समझौता किया है, जिसमें भारतनेट के जरिए नाबार्ड समर्थित संस्थानों को कनेक्ट किया जाएगा।

- नाबार्ड ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में यूपी की प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण की सम्भावना को 34% वृद्धि कर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर दिया है।

DEA फंड क्या है और क्यों है यह आपकी वित्तीय सुरक्षा के लिए ज़रूरी?



भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने वर्ष 2014 में Depositor Education and Awareness Fund (DEAF) की शुरुआत की थी। यह फंड बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 26A के तहत बनाया गया है।

DEA फंड क्यों बना?

कई बार लोग बैंक में पैसा जमा करके भूल जाते हैं, या फिर बिना किसी को बताए दुनिया से चले जाते हैं। उनके परिवार वालों को इस पैसे की जानकारी नहीं होती। ऐसे खातों को लावारिस खाते कहा जाता है।

बैंक इन पैसों को तब तक संभालकर रखते हैं जब तक कोई उसका दावा नहीं करता।

अगर 10 साल तक कोई दावा नहीं आता, तो यह पैसा DEA फंड में चला जाता है।

आपको क्या करना चाहिए?

- अपने घरवालों को बताएं कि आपने पैसा कहां जमा किया है।
- अपने बैंक खातों को समय-समय पर चालू रखें।
- FD की मैच्योरिटी (परिपक्वता) पर ध्यान दें।
- कोशिश करें कि आपका खाता 10 साल तक निष्क्रिय (inactive) न रहे।

DEAF में कौन-कौन सी रकम जाती है?

- 10 साल पुराने बचत या चालू खाते
- 10 साल तक दावा न किया गया FD
- पुराने डिमांड ड्राफ्ट, पे ऑर्डर, बैंकर्स चेक
- बिना दावा किए गए डिविडेंड या मनी ऑर्डर

DEA फंड क्या है और क्यों है यह आपकी वित्तीय सुरक्षा के लिए ज़रूरी?

इस फंड का इस्तेमाल किस लिए होता है?

- इस फंड का उपयोग जनता को बैंकिंग की जानकारी देने और उन्हें जागरूक करने के लिए किया जाता है। जैसे कि सेमिनार, शिविर, जागरूकता कार्यक्रम आदि।
- इस फंड की स्थापना के बाद से RBI ने वित्तीय साक्षरता पर भी विशेष जोर दिया है और लगातार अनेक जागरूकता अभियान चलाए हैं, जिनमें 'वित्तीय साक्षरता परियोजना' प्रमुख है।

अब तक कितना पैसा जमा हुआ है?

- सरकारी बैंकों ने 31 मार्च 2023 तक ₹36,185 करोड़ जमा किए हैं।
- निजी बैंकों ने ₹6,087 करोड़ जमा किए हैं।

अगर आपका पैसा DEA फंड में चला गया है, तो क्या करें?

- बैंक ब्रांच से संपर्क करें।
- अपने पहचान पत्र (जैसे आधार/पैन कार्ड), पासबुक, FD की रसीद आदि साथ लेकर जाएं।
- क्लेम फॉर्म भरें और बैंक में जमा करें।
- बैंक जांच के बाद आपको आपका पैसा लौटा सकता है।

RBI का UDGAM पोर्टल

RBI ने UDGAM पोर्टल (*www.udgam.rbi.org.in*) शुरू किया है। यह पोर्टल आपको यह पता लगाने में मदद करता है कि आपका कोई पैसा किसी बैंक में लावारिस पड़ा है या नहीं।

- इस पर आप रजिस्टर होकर अपने नाम से जानकारी खोज सकते हैं।
- अगर आपका पैसा मिल जाता है, तो आपको एक युनिवर्सल डिपॉजिटर रेफरेंस नंबर (UDRN) नंबर मिलेगा।
- इस नंबर के साथ आप संबंधित बैंक शाखा में जाकर दावा कर सकते हैं।

क्या DEAF में रखा पैसा सुरक्षित है?

हाँ, DEA फंड पूरी तरह से RBI के पास सुरक्षित रहता है। जब तक आप या आपके परिवार से कोई व्यक्ति दावा नहीं करता, तब तक यह पैसा कहीं नहीं जाएगा। यह योजना लोगों को जागरूक करने और बैंकिंग को पारदर्शी बनाने में मदद करती है

केन्द्रीय बजट 2025-26 की मुख्य बातें



विकास के प्रथम इंजन के रूप में कृषि:

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना- विकासशील कृषि जिला कार्यक्रम

ग्रामीण समृद्धि और लचीला निर्माण

दलहन में आत्मनिर्भरता

सब्जियों और फलों के लिए व्यापक कार्यक्रम

बिहार में मखाना बोर्ड

राष्ट्रीय उच्च पैदावार बीज मिशन

मत्स्य उद्योग

कपास उत्पादकता मिशन

किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से अधिक ऋण

असम में यूरिया संयंत्र

विकास के दूसरे इंजन के रूप में एमएसएमई:

एमएसएमई के वर्गीकरण मानदण्ड में संशोधन

सूक्ष्म उद्यमों के लिए क्रेडिट कार्ड

स्टार्ट-अप के लिए निधियों का कोष

पहली बार के उद्यमियों के लिए योजना

फुटवियर और लेदर क्षेत्रों के लिए फोकस उत्पाद स्कीम

खिलौना क्षेत्र के लिए उपाय

खाद्य प्रसंस्करण के लिए सहायता

विनिर्माण मिशन - 'मेक इन इंडिया' को आगे बढ़ाना

विकास के तीसरे इंजन के रूप में निवेश:

I. लोगों में निवेश

II. अर्थव्यवस्था में निवेश

III. नवाचार में निवेश

केन्द्रीय बजट 2025-26 की मुख्य बातें

विकास के चतुर्थ इंजन के रूप में निर्यात

निर्यात संवर्द्धन मिशन

भारत ट्रेडनेट

जीसीसी के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा

ईंधन के रूप में सुधार: वित्तीय क्षेत्र में सुधार और विकास

बीमा क्षेत्र में एफडीआई

एनएबीएफआईडी द्वारा क्रेडिट वृद्धि सुविधा

ग्रामीण क्रेडिट स्कोर

पेंशन क्षेत्र

विनियामक सुधार हेतु उच्चस्तरीय समिति

राज्यों का निवेश अनुकूल सूचकांक

जन विश्वास विधेयक 2.0

आयकर स्लैब में बदलाव

नई कर व्यवस्था में संशोधित कर संरचना निम्नानुसार होगी।

0-4 लाख रुपए	शून्य
4-8 लाख रुपए	5 प्रतिशत
8-12 लाख रुपए	10 प्रतिशत
12-16 लाख रुपए	15 प्रतिशत
16-20 लाख रुपए	20 प्रतिशत
20-24 लाख रुपए	25 प्रतिशत
24 लाख रुपए से अधिक	30 प्रतिशत

केन्द्रीय बजट 2025-26 में आयकर स्लैब में किए गए बदलावों से मध्यम वर्ग के करदाताओं को महत्वपूर्ण राहत मिली है। नई कर व्यवस्था के तहत ₹12 लाख तक की आय पर कोई कर नहीं देना होगा, और वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती के साथ यह सीमा ₹12.75 लाख तक बढ़ जाती है। हालांकि, नई व्यवस्था में पारंपरिक कर कटौतियाँ उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए करदाताओं को अपनी वित्तीय योजना बनाते समय इन पहलुओं पर विचार करना चाहिए।

A-L-A-K-H HIGHLIGHTS

OF THE QUARTER

Bringing Joy, Learning, and Celebrations!

As we step into another quarter, let's take a moment to cherish the beautiful celebrations and learning experiences that marked the past three months. From cultural festivities to inspiring initiatives, our journey has been nothing short of vibrant!



Glimpses

- 🌟 76th Republic Day Celebration
- 🎨 Basant Panchmi Celebration
- 🏆 Student of the Week Series
- 👩‍🎓 International Women's Day
- 🌈 Holi Celebration
- 🎭 Giggles, Games, and Growth Session















BE THE REASON FOR A SMILE

JOIN US IN MAKING A LASTING IMPACT

Empower Underprivileged Children Through Education, Care & Opportunity...

At ALAKH, we believe every child deserves a chance to dream, learn, and thrive.

Your donation helps provide:

- ✅ Quality education & learning materials
- ✅ Daily snacks and fruits for healthy development
- ✅ Safe spaces to grow
- ✅ Skill development and emotional support

Every contribution — big or small — lights up a future.

CONTRIBUTE NOW

Scan the QR code to donate:

* All donations are eligible for tax exemption under Section 80G.

* AIF is registered under the Foreign Contribution Regulation Act (FCRA).

Media Coverage

सरकारी योजनों के प्रति महिलाओं को किया जागरूक



रसड़ा (बलिया)। केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक एवं बैंकिंग फ्राड के प्रति सतर्क व सचेत रहने के प्रति महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को क्षेत्र के नरही ग्राम सभा में एवों इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में फाउंडेशन के रीजनल हेड वर्धन पाठक ने बताया कि सरकार पीएम सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जागरूक व सही जानकारी लेकर इन योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है। एफसी विवेक कन्नौजिया ने कहा कि ओटीपी के नाम पर बैंकिंग फ्राड की घटनाएं बढ़ रही हैं। जालसाजों से सतर्क रहने की जरूरत है। इस मौके पर जितेंद्र चौहान, प्रशांत वर्मा आदि ने भी संबोधित किया।

बैंकिंग फ्राड को लेकर महिलाओं को किया जागरूक

संवाद सूत्र, जागरण, रसड़ा : केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक एवं बैंकिंग फ्राड के प्रति सतर्क व सचेत रहने के प्रति महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को क्षेत्र के नरही ग्राम सभा में एवोक इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में फाउंडेशन के रीजनल हेड वर्धन पाठक ने बताया कि सरकार पीएम सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन के प्रति जागरूक व सही जानकारी लेकर इन योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है। एफसी विवेक कन्नौजिया ने कहा कि ओटीपी के नाम पर फ्राड की घटनाएं बढ़ी हैं।

'महिलाओं को दें वित्तीय ज्ञान अर्थव्यवस्था करें सशक्त'



वित्तीय साक्षरता सप्ताह पोस्टर का विमोचन करते आरबीआइ के अधिकारी • बैंक

लखनऊ : भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक पंकज कुमार ने वित्तीय साक्षरता सप्ताह के शुभारंभ के साथ ही महिलाओं को जागरूक करने पर जोर दिया। कहा कि महिलाओं को वित्तीय ज्ञान दें। इससे जहां उनका व्यक्तिगत विकास होगा, वहीं परिवार, व्यवसाय और व्यापक अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सतत वित्तीय समावेशन के लिए वित्तीय साक्षरता, ग्राहक संरक्षण और शिकायत निवारण महत्वपूर्ण है।

वित्तीय साक्षरता अभियान में महिलाओं की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस वर्ष के वित्तीय साक्षरता सप्ताह की थीम 'वित्तीय समझदारी-समृद्ध नारी' रखी गई है। गोमतीनगर के होटल रेनेसां में आयोजित समारोह में पंकज कुमार ने पूर्व भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी इंदु पुरी, महाप्रबंधक सोनाली दास, उपमहाप्रबंधक राकेश दुबे के साथ वित्तीय साक्षरता सप्ताह थीम पर आधारित वित्तीय साक्षरता पोस्टरों का अनावरण किया। पंकज ने कहा कि यह सभी हितधारकों की जिम्मेदारी है कि वित्तीय उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करें।

सरकारी योजनों के प्रति महिलाओं को किया जागरूक



सूरत सम्राट- गोपाल जी गुप्ता की रिपोर्ट

रसड़ा (बलिया) केंद्र व प्रदेश सरकार की विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक एवं बैंकिंग फ्राड के प्रति सतर्क व सचेत रहने के प्रति महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से बुधवार को क्षेत्र के नरही ग्राम सभा में एवोक इंडिया फाउंडेशन के तत्वाधान में वित्तीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में फाउंडेशन के रीजनल हेड वर्धन पाठक ने बताया कि सरकार पीएम सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, अटल पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना के प्रति जागरूक व सही जानकारी लेकर इन योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है। एफसी विवेक कन्नौजिया ने कहा कि ओटीपी के नाम पर बैंकिंग फ्राड की घटनाएं बढ़ रही हैं। जालसाजों से सतर्क रहने की जरूरत है। इस मौके पर जितेंद्र चौहान, प्रशांत वर्मा आदि ने भी संबोधित किया। रसड़ा क्षेत्र में वित्तीय साक्षरता शिविर में महिलाओं को जागरूक करते वर्धन चौहान।

बचत के लिए बजट बनाना बहुत जरूरी: एलडीओ

विशेश्वरगंज ब्लॉक के फतेहपुर गांव में आयोजित हुआ वित्तीय साक्षरता शिविर



बलरामपुर (जागरण संवाददाता)। आरबीआइ द्वारा वित्तीय साक्षरता-समृद्धि नारी थीम पर मनाये जा रहे वित्तीय साक्षरता जागरूकता सप्ताह के तहत एवोक इंडिया के तत्वाधान वित्तीय साक्षरता केंद्र हुजूरपुर द्वारा विशेश्वरगंज ब्लॉक क्षेत्र के फतेहपुरवा गांव में वित्तीय साक्षरता कैंप आयोजित किया गया। कैंप में मुख्य अतिथि आरबीआइ एलडीओ ऋण संवर्धन व विपणन अधिकारी एसोसिएट प्रोफेसर अमित एसोसिएट प्रोफेसर सुनील मसंद, आरसेटी निदेशक रीना कुमारी खुमारी व जिला वित्तीय पारम्पर्यवेत्ता देव प्रकाश शुक्ला रहे। आरबीआइ एलडीओ

AWOKE India®
एवोक इण्डिया
Training | Consulting | Social Enterprise



AIF MEMBERSHIP BENEFITS

• Opportunity to volunteer

in impactful social initiatives of AWOKE India:

* **Education for Underprivileged Children (ALAKH Initiative)**
* **Skill Development for Youth and Women**
* **Support & assistance to farmers in knowledge inputs**

- *Opportunity to share thoughts, views, and suggestions to help influence policy changes in consumer affairs, particularly related to:*

***Public issues *Capital markets *Mutual funds *Investor charter**

***Life insurance *General insurance *Banking facilities *Depository accounts**

- *Opportunity to contribute to the journals and publications of AWOKE India, with regular access to information and support through journals, periodicals, blogs, phone, email, and the official website.*

CONNECT WITH US FOR MORE DETAILS:

0522 4309101, +91 7704907744

info@awokeindia.com

www.awokeindia.com, www.awokeindiafoundation.com

20/462, Atal Square, Ahimamau, Lucknow, Uttar Pradesh- 226002